तापमान
अधिकतम 42 .0 डिग्री
न्यूनतम 19 .4 डिग्री

हरिभूमि
सोनीपत भूमि

रोहतक, मंगलवार 21 अप्रैल 2026

11 किताबों के लिए छात्रों को 2 माह करना होगा इंतजार

12 प्रशासनिक निदेशक ने किया अस्पताल का निरीक्षण

खबर संक्षेप

दो नाबालिग सहेलियां संदिग्ध हालत में लापता

सोनीपत। शहर से दो नाबालिग सहेलियों के संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने का मामला सामने आया है। 15 और 16 वर्षीय किशोरियों के गायब होने के बाद पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।
जानकारी के अनुसार, शहर की 16 वर्षीय किशोरी अपनी 15 वर्षीय सहेली के घर आई हुई थी। रविवार को दोनों किसी काम से घर से निकलीं, लेकिन देर शाम तक वापस नहीं लौटीं। परिजनों ने पहले अपने स्तर पर रिश्तेदारों और परिचितों के यहां उनकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस टीम दोनों किशोरियों की तलाश में जुटी हुई है। साथ ही, आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली जा रही है, ताकि उनके आने-जाने का पता लगाया जा सके।

पाई में घर में घुसकर महिला पर हमला

खरखौदा। पाई में घर में घुसकर हमला करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ओमकार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी फसल और घर की देखभाल के लिए गांव आया हुआ था। रविवार सुबह वह घर में पूजा कर रहा था, जबकि उसकी पत्नी रसोई में खाना बना रही थी। इसी दौरान उसके भाई पुष्पेंद्र की पत्नी पिंकी दरवाजा खुला देखकर घर में घुस आई और ईंट से हमला कर दिया। जिससे उसकी पत्नी भी घायल हो गई। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी पक्ष पहले भी कई बार उनके घर में जबरन घुसने, लूटपाट करने और नुकसान पहुंचाने की कोशिश कर चुका है। उसने बताया कि उसका परिवार इन दिनों बवाना में रहता है।

नगर निगम चुनाव के लिए आज से नामांकन, प्रशासन ने ड्यूटी मजिस्ट्रेट नियुक्त किए

कांग्रेस मेयर प्रत्याशी कल करेंगे नामाकंन उम्मीदवार को लेकर मंथन कर रही भाजपा

उम्मीदवार 25 तक पर्चा दाखिल कर सकेंगे। नामांकन कक्ष में प्रत्याशी के साथ केवल पांच लोगों को ही प्रवेश की अनुमति होगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ सोनीपत

नगर निगम चुनाव के लिए आज से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो रही है। प्रशासन ने नामांकन स्थलों के 100 मीटर के दायरे में कड़े सुरक्षा प्रबंध किए हैं, जहां पुलिस बल के साथ ड्यूटी मजिस्ट्रेट तैनात रहेंगे। वहीं नामांकन प्रक्रिया के शुरू होने से राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। कांग्रेस ने मेयर पद के लिए कमल दिवान को प्रत्याशी घोषित किया है, जो बुधवार सुबह अपने समर्थकों के साथ नामांकन दाखिल करेंगे। वहीं, भाजपा में मेयर पद के उम्मीदवार को लेकर अभी मंथन जारी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार पार्षद पद के अधिकांश नाम तय हो चुके हैं और जल्द ही औपचारिक घोषणा की जा सकती है। एसडीएम सुभाष चंद्र ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के दौरान अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष नियम लागू किए गए हैं। नामांकन कक्ष में प्रत्याशी के साथ केवल पांच लोगों को ही प्रवेश की अनुमति होगी। नामांकन पत्र 25 अप्रैल तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 3 बजे तक जमा किए जा सकेंगे। 27 अप्रैल को नामांकन पत्रों की जांच होगी, जबकि 28 अप्रैल को नाम वापसी के बाद उम्मीदवारों की अंतिम सूची जारी कर चुनाव चिन्ह आवंटित किए जाएंगे। हरियाणा राज्य चुनाव आयोग ने चुनाव के दौरान कानून-व्यवस्था की निगरानी के लिए आईपीएस अधिकारी हामिद अख्तर (डीआईजी/राज्य अपराध शाखा) को पुलिस चुनाव पर्यवेक्षक नियुक्त किया है। वह 24 अप्रैल को सोनीपत पहुंचकर संवेदनशील और अति संवेदनशील मतदान केंद्रों का निरीक्षण करेंगे तथा सीधे आयोग को रिपोर्ट देंगे।

लाइसेंसधारकों को हथियार जमा कराने के निर्देश

पुलिस आयुक्त ममता सिंह ने सभी लाइसेंसधारकों को अपने हथियार नजदीकी थानों में जमा कराने के निर्देश दिए हैं। आदेश की अवहेलना करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। शांतिपूर्ण चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने फ्लैग मार्च और चेकिंग अभियान तेज कर दिया है।

नामांकन केंद्र

मेयर : अतिरिक्त उपायुक्त कार्यालय में केंद्र बना
वार्ड 1-7 : जिला राजस्व अधिकारी का कोर्ट रूम
वार्ड 8-14 : एसडीएम (ना.) का कोर्ट रूम
वार्ड 15-22 : बीडीपीओ कार्यालय सोनीपत

2020 के चुनाव में खर्च का ब्योरा न देने पर 18 उम्मीदवार अयोग्य घोषित

उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि वर्ष 2020 के नगर निगम चुनाव में खर्च का ब्योरा जमा न करने वाले 18 प्रत्याशियों को अयोग्य घोषित किया गया है। ये उम्मीदवार इस बार चुनाव नहीं लड़ सकेंगे। प्रशासन के अनुसार अयोग्य घोषित किए गए सभी प्रत्याशी अब नगर निगम सोनीपत 2026 के आम चुनाव में नामांकन पत्र दाखिल करने के पात्र नहीं होंगे। अयोग्य घोषित किए गए प्रमुख नामों में विकास, राजेश कुमार, रमेश कटारिया, विनोद, सतनारायण, सुनिता, सुरेश कुमार, दीपक कुमार, मंजू, साधु, अशोक, सुनिता, राकेश, राकेश, नरेन्द्र, चंद्र कुमार, राज कुमार और सोमबीर शामिल हैं। उपायुक्त ने कहा कि यह निर्णय राज्य निर्वाचन नियमों के तहत लिया गया है, ताकि चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष बनी रहे। उन्होंने कहा कि मतदाताओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए 10 मई को नगर निगम क्षेत्र में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया गया है।

गन्नौर के आठ वार्डों में होगा उपचुनाव

गन्नौर। चुनाव को लेकर बैठक लेते अधिकारी।

गन्नौर। ब्लॉक क्षेत्र की पंचायतों में वार्ड सदस्यों के उपचुनाव को लेकर प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। सोमवार को खंड कार्यालय में सहायक जितेश ने चुनाव ड्यूटी पर तैनात शिक्षकों व विभिन्न विभागों के कर्मचारियों की बैठक आयोजित कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक के दौरान सहायक जितेश ने बताया कि गन्नौर ब्लॉक की 8 पंचायतों में 9 वार्ड सदस्यों के लिए उपचुनाव होने हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रक्रिया को निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी कर्मचारियों की जिम्मेदारियां तय कर दी गई हैं। उन्होंने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे अपनी ड्यूटी को पूरी गंभीरता और जिम्मेदारी के साथ निभाएं। जितेश ने जानकारी देते हुए बताया कि नामांकन प्रक्रिया 21 अप्रैल से शुरू होगी। इस दौरान नामांकन से जुड़े सभी कर्मचारी निर्धारित समय में नामांकन पत्र जमा करवाने का कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि 27 अप्रैल तक नामांकन पत्रों की जांच का कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जबकि 28 अप्रैल को नामांकन वापसी की प्रक्रिया संपन्न करवाई जाएगी। सभी प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद 10 मई को संबंधित मतदान केंद्रों पर मतदान कराया जाएगा। इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं समय रहते पूरी कर ली जाएंगी। उन्होंने कर्मचारियों को चुनाव संबंधी सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने के सख्त निर्देश दिए।

बीमा पॉलिसी बंद होने का डर दिखाकर 3.58 लाख ठगे

सोनीपत। साइबर ठगों ने बीमा पॉलिसी बंद होने का डर दिखाकर एक सेवानिवृत्त व्यक्ति से 3.58 लाख रुपये ठग लिए। ठगों ने खुद को बीमा कंपनी का अधिकारी बताकर पहले विश्वास जीता और फिर किस्त, बोनस और टैक्स के नाम पर अलग-अलग चरणों में रकम हड़प ली। सतेंद्र ने साइबर थाना में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि उनके पास एक बीमा पॉलिसी थी, जिसकी अगली किस्त बाकी थी। 11 अप्रैल को उनके पास एक कॉल आई, जिसमें कॉलर ने खुद को कंपनी का प्रतिनिधि बताते हुए पॉलिसी बंद होने पर 2.10 लाख रुपये के नुकसान की बात कही। साथ ही भरोसा दिलाया कि यदि एक साल की अतिरिक्त किस्त जमा कर दी जाए तो पूरा पैसा सुरक्षित रहेगा और बोनस भी मिलेगा।

लगातार फोन कर दबाव बनाते रहे

आरोप है कि ठगों ने लगातार कॉल कर उन पर दबाव बनाया और अलग-अलग बैंक खातों में किस्त के नाम पर करीब 2.05 लाख रुपये जमा करवा लिए। इसके बाद खुद को वरिष्ठ अधिकारी बताने वाले व्यक्ति ने टैक्स के नाम पर 1.53 लाख रुपये और जमा करवाने को कहा। उसने आश्वासन दिया कि यह राशि 24 से 48 घंटे में खाते में वापस आ जाएगी। जब ठगों ने फिर से 1.30 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग की, तब पीड़ित को शक हुआ। उन्होंने बीमा कंपनी के टोल-फ्री नंबर पर संपर्क किया, जहां उन्हें धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है और जिन बैंक खातों में रकम ट्रांसफर की गई, उनकी जांच शुरू कर दी है।

शहजादपुर में वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

सोनीपत। शहजादपुर में सरकारी स्कूल के पास वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत हो गई। हादसे के बाद आरोपी चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मृतक के भतीजे के बयान पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। कुनाल ने सदर थाना में दी शिकायत में बताया कि रविवार को वह शादी समारोह में जाने के लिए घर से निकले थे। जब वह सोनीपत-पुरखास रोड पर अपने गांव के सरकारी स्कूल के पास पहुंचे तो वहां भीड़ लगी हुई थी। मौके पर जाकर देखा तो उनके चाचा गौतम सड़क पर घायल अवस्था में पड़े थे और उनकी बाइक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त था। उन्होंने अपने चाचा को बहालगढ़ रोड स्थित एक निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। आरोप है कि उनकी बाइक को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मारी, जिससे उनकी मौत हो गई। सूचना मिलने पर सदर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि आरोपी वाहन व चालक का पता लगाया जा सके।

SPRINGBIRD SCHOOL
COME, LEARN
Affiliated to CBSE, New Delhi
Class 10th Result CBSE 2025-26

Rashi 97%

Hansika 96.4%

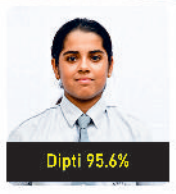
Dipti 95.6%

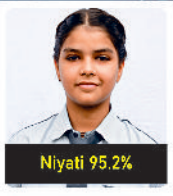
Niyati 95.2%

Kirti 94.2%

Tushita 93%

Kanika Handuja 93%

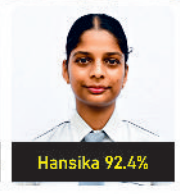
Hansika 92.4%

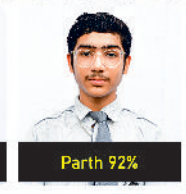
Parth 92%

Meenal 91.8%

Chahat 91.8%

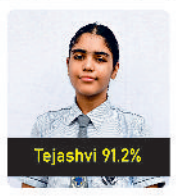
Tejashvi 91.2%

Vanshika Gupta 91%

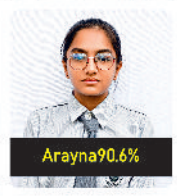
Arayna90.6%

Kanika 90.2%

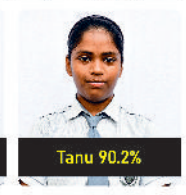
Tanu 90.2%

SUBJECT TOPPERS

English	Niyati - 99	Above 90 Marks 25 Students
Hindi	Hansika - 98, Tushita - 98	Above 90 Marks 26 Students
Maths	Hansika - 96, Rashi - 96	Above 90 Marks 5 Students
Social Sc.	Hansika - 99	Above 90 Marks 22 Students
Science	Vanshika Gupta - 93, Deepti - 93	Above 90 Marks 2 Students
IT	Rashi - 100	Above 90 Marks 33 Students

ABOVE 85% MARKS

Aditya Singh 89.8%

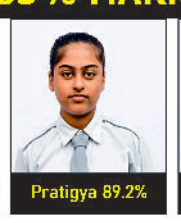
Pratigya 89.2%

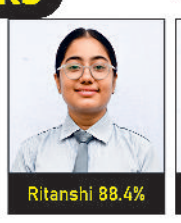
Ritanshi 88.4%

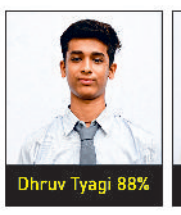
Dhruv Tyagi 88%

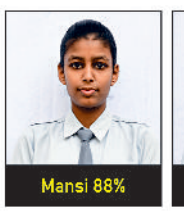
Mansi 88%

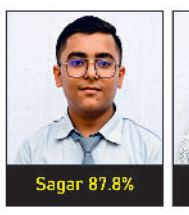
Sagar 87.8%

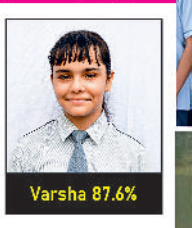
Varsha 87.6%

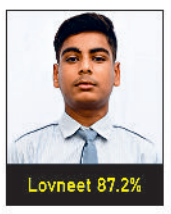
Lovneet 87.2%

Nidhi Saroha 86.8%

Simran Rawat86.6%

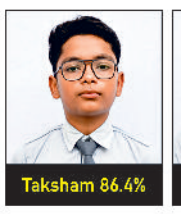
Taksham 86.4%

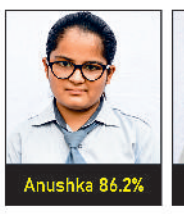
Anushka 86.2%

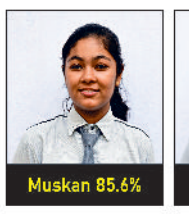
Muskan 85.6%

Anmol 85%

TOTAL DISTINCTIONS - 143

Admission Open for Class XI (Medical, Non-Medical, Commerce, Humanities)

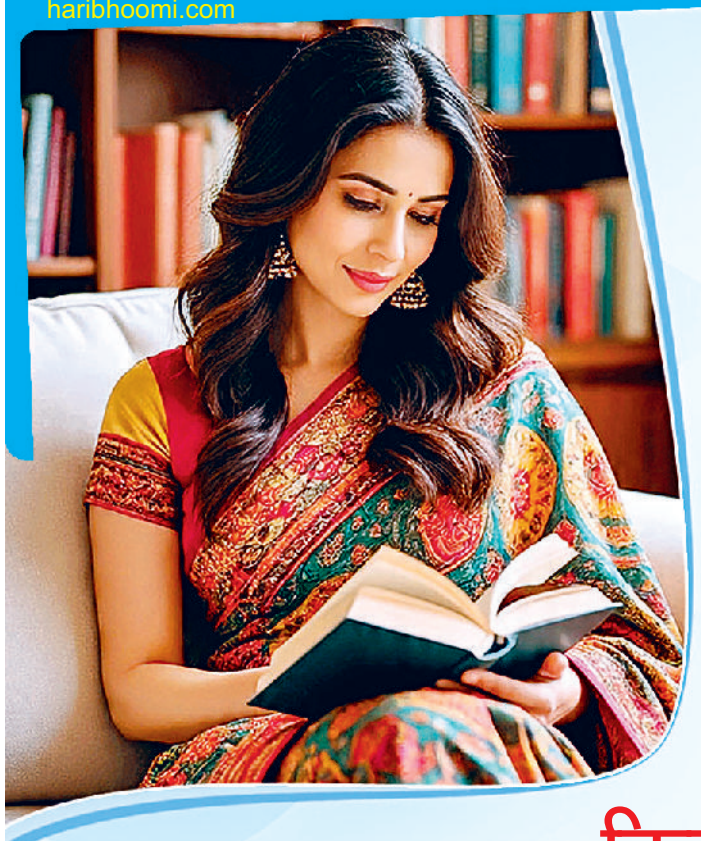

हरिभूमि
सहेली
रोहतक, मंगलवार
21 अप्रैल 2026

विशेष : विश्व पुस्तक दिवस, 23 अप्रैल

किताबें पढ़कर एक अलग ही आनंद मिलता है, सिर्फ आनंद ही नहीं मिलता एक अलग तरह की दृष्टि भी मिलती है। हम बहुत कुछ गहराई से देखने-समझने लगते हैं। किताबें अंतर्ज्ञान बढ़ाकर हमें जागरूक बनाती हैं। सशक्त बनने के लिए हर स्त्री का किताबें पढ़ना जरूरी है।

किताबें केवल आनंद ही नहीं एक अलग नजरिया भी देती हैं

आवरण कथा
कल्पना मनोरमा, साहित्यकार

किताबें केवल पढ़ने का ही सुख नहीं देतीं, देखने की दृष्टि भी बदल देती हैं। बदली हुई दृष्टि ही बदलते समय को गहराई से देख सकती है। एक ही काम, एक ही दिनचर्या, एक ही जीवन, किताबों के बिना भी चलता है, लेकिन किताबों के साथ वही जीवन समझ में आने लगता है, उसके भीतर छिपे अर्थ धीरे-धीरे समझ में आने लगते हैं। कहने का आशय यह है कि साहित्य मनुष्य को उसके भीतर के सत्य से परिचित कराता है।

पढ़ने से मिलती है नई दृष्टि

एक स्त्री, जो दिन भर घर के कामों में लगी रहती है जैसे रसोई, सफाई, बच्चों की देखभाल। वह इन सबको अपने कर्तव्य की तरह निभाती है। उसका दिन एक निश्चित ढर्रे में बीतता है, जिसमें उसके लिए ठहरने की जगह बहुत कम होती है। लेकिन उसे पढ़ने का अवसर मिले, तो संभव है कि वह इन्हीं कामों को एक अलग नजर से देखे। वह यह समझे कि उसका श्रम अदृश्य क्यों है, उसका समय उसका अपना क्यों नहीं है, और उसका मौन कब, कैसे उसकी आदत बन गया?

आप बनती हैं जागरूक

स्त्री को किताबें पढ़ने का समय जरूर निकालना चाहिए, क्योंकि किताबें उसे उसके काम से अलग नहीं करतीं, बल्कि उसी काम के भीतर एक नई जागरूकता भर देती हैं। किताबें स्त्री को यह नहीं सिखातीं कि क्या करना है, बल्कि यह समझने का साहस और बुद्धि देती हैं कि जो वह कर रही है, उसका क्या अर्थ है, क्या महत्व है? पढ़ना किसी निर्देश का पालन करना नहीं, अपने ही जीवन को नए प्रश्नों के साथ देखना है। यही वह बिंदु है, जहां पढ़ना, जीवन को केवल जीने से आगे बढ़ाकर उसे समझने की प्रक्रिया में बदल देता है।

समझ में आते हैं जीवन के नए अर्थ

स्त्री न तो घर की शोभा मात्र है, न वह भोग की वस्तु है। वह स्वयं एक संपूर्ण व्यक्तित्व है। यह समझ केवल बाहर से दी नहीं जाती, भीतर से जगती है और किताबें इस चेतना को संभव बनाती हैं। जब कोई स्त्री पढ़ती है, तो वह केवल दूसरों की कहानी नहीं पढ़ती, वह धीरे-धीरे अपने ही जीवन को पढ़ना शुरू करती है। उसे एहसास होने लगता है, उसकी थकान केवल व्यक्तिगत नहीं, बल्कि एक साझा संरचना का हिस्सा है। उसका संघर्ष अकेला नहीं, अनेक स्त्रियों का साझा संघर्ष है। यहीं से स्त्री के भीतर एक सूक्ष्म परिवर्तन जन्म लेता है, जहां वह केवल पढ़ती नहीं, अपने ही जीवन को नए अर्थों में समझने लगती है। नारी के जीवन की करुणा केवल उसकी दुर्बलता नहीं, उसकी संवेदना की शक्ति भी है। जब यह समझ भीतर बैठती है, तो वह अपनी भावनाओं को बोझ नहीं, एक ऊर्जा के रूप में देखने लगती है।

जरूरी है पढ़े हुए को जीवन में उतारना

केवल किताबों तक पहुंचना पर्याप्त नहीं, दृष्टि तब सही मायने में बनती है, जब पढ़ा हुआ जीवन में उतरता है। कई बार शिक्षित स्त्रियों का जीवन भी पुराने ढर्रे पर चलता रहता है। इसका कारण केवल परिस्थितियां नहीं, वे मान्यताएं हैं जो भीतर गहरे बैठ जाती हैं। पढ़ा हुआ और जिया हुआ अलग-अलग रह जाते हैं। ऐसे में किताबें एक हलचल पैदा करती हैं। यही हलचल धीरे-धीरे भीतर एक धीमी, लेकिन स्थाई स्वतंत्रता को जन्म देती है। यह प्रक्रिया तेज नहीं होती। यह धीरे-धीरे, लगभग अनदेखे ढंग से घटित होती है। पहले केवल प्रश्न उठते हैं, फिर उन प्रश्नों के साथ जीने की आदत बनती है, और फिर एक दिन वही प्रश्न दृष्टि में बदल जाते हैं।

पढ़ना केवल एक क्रिया नहीं

यह प्रश्न भी महत्वपूर्ण है कि क्या स्त्री को पढ़ने की परिस्थितियां मिलती हैं? पढ़ना केवल अक्षरों को देखना नहीं, यह समय, एकांत और मानसिक अवकाश मांगता है। अनेक स्त्रियों का समय टुकड़ों में बंटा होता है। वे लगातार काम में लगी रहती हैं, उन्हें अपने लिए समय निकालना भी एक तरह का अपराधबोध बन जाता है। ऐसे में किताबें पास होकर भी दूर रह जाती हैं। इसलिए साक्षरता से आगे बढ़कर हमें उन सामाजिक संरचनाओं को देखना होगा, जो स्त्री को अपने लिए समय लेने से रोकती हैं। जब वह बिना अपराधबोध के अपने समय में ठहर पाती है, तभी पढ़ना संभव हो पाता है। पढ़ना केवल एक क्रिया नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व को महत्व देने का एक शांत निर्णय भी है।

किताबें भीतर एक रोशनी जलाती हैं

किताबें स्त्री के जीवन में कोई बाहरी बदलाव थोपती नहीं, वे भीतर एक धीमी रोशनी जलाती हैं। यह रोशनी उसे अपने ही अनुभवों को देखने, समझने और स्वीकारने की क्षमता देती है। हर स्त्री किताब तक पहुंचे, यह बहुत जरूरी है। पर उससे भी अधिक जरूरी है कि वह अपने जीवन को पढ़े। ज्ञान का

उद्देश्य केवल जानना नहीं, जागना है। जब यह जागरण होता है, तो जीवन वैसा ही रहते हुए भी बदल जाता है। किताब और स्त्री का संबंध बनने में परिवार का सहयोग बहुत जरूरी है। जब स्त्री पढ़ती है, तो वह केवल ग्रहण नहीं करती, वह भीतर ही भीतर रचने लगती है। कभी शब्दों में, कभी व्यवहार में, कभी अपने निर्णयों में। उसका जीवन धीरे-धीरे एक ऐसी कथा में बदलने लगता है, जिसे भले ही वह लिखे या न लिखे, पर वह एक अर्थपूर्ण संरचना ग्रहण कर लेती है।

स्पेशल : अप्रैल-स्ट्रेस अवेयरनेस मंथ

अपने लिए भी बदलाव की धुरी बनें स्त्रियां

वर्कप्लेस और घर की जिम्मेदारियों के बीच महिलाओं के पास अपने लिए कोई समय ही नहीं बचता है। इससे वे अस्वस्थ हो जाती हैं। महिलाओं का परिवार के साथ अपना ध्यान रखना भी जरूरी है। वे अपने जीवन में एक संतुलन बैठाएं और स्वस्थ-सुखी जीवन जिएं।

जरूरी बात
डॉ. मोनिका शर्मा

घर और बाहर दोनों मोर्चों पर जूझने वाली स्त्रियां आसानी से तनाव के घेरे में आ ही जाती हैं। वर्कप्लेस और घर की जिम्मेदारियों के बीच संतुलन बनाने की फिक्र और आपा-धापी महिलाओं को तनाव के स्याह घेरे में लिए रहती है। ऐसे में जीवन से जुड़ी भाग-दौड़ से तो दूरी नहीं बनाई जा सकती, लेकिन तनाव को समझना और इससे बचने के प्रयास बहुत जरूरी हैं।

आवश्यक है अवेयरनेसः हाल के वर्षों में तनाव के शिकार लोगों के आंकड़े तेजी से बढ़े हैं। हेल्थ और सेफ्टी एक्जीक्यूटिव के आंकड़ों के अनुसार 35-54 आयु वर्ग के बड़ों की देखभाल करने वाली, गृहिणी और कामकाजी भूमिका निभा रही महिलाएं पुरुषों की तुलना में काफी अधिक तनाव का अनुभव करती हैं। आंकड़े बताते हैं कि तनाव का अनुभव करने वाली महिलाओं की संख्या समान आयु के पुरुषों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक है। बावजूद इसके स्ट्रेस को लेकर जागरूकता का अभाव है। तनाव को स्वास्थ्य से जुड़ी समस्या समझा ही नहीं जाता। इसके कारणों पर गौर नहीं किया जाता। तनाव के कारणों और इलाज के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सन् 1992 से हर वर्ष अप्रैल को तनाव जागरूकता माह के रूप में मनाया जाता है। महीने भर स्ट्रेस से पैदा हो रही समस्याओं पर खुलकर बातचीत करने के लिए कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। साथ ही मित्रों, परिवारों, सहकर्मियों और पेशेवर लोगों के साथ अपनी मानसिक और भावनात्मक स्थिति के बारे में खुलकर बात करने का परिवेश बनाने की भी कोशिशें की जाती हैं।

अपनी देखभाल को दें प्राथमिकताः हमारा सामाजिक-पारिवारिक ढांचा ही ऐसा है कि महिलाएं खुद की देखभाल को कभी प्राथमिकता नहीं दे पातीं। इसके कारण घर-दफ्तर की भागम-भाग में लगी महिलाएं कई शारीरिक समस्याओं की गिरफ्त में आ जाती हैं। कमर दर्द, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, मोटापा, थायरॉइड जैसी व्याधियां आम हो चली हैं। नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट कहती है कि देश की आधी आबादी अपने खान-पान का ध्यान नहीं रखती है। 32 से 58 वर्ष की महिलाओं के बीच हुए इस सर्वे के अनुसार 83 प्रतिशत महिलाएं किसी तरह का व्यायाम नहीं करतीं और 57 फीसदी महिलाएं खाने में फल-सब्जी का कम उपयोग करती हैं। आराम करने, किसी बात के लिए न कहने और सहजता से जीने के मामले में भी महिलाएं जरा पीछे ही हैं। वहीं एक्सरसाइज से दूरी खान-पान में लापरवाही, शरीर और मन दोनों की सेहत बिगाड़ती है। ऐसी सभी बातें तनाव की भी जड़ हैं। ऐसे में अपनी देखभाल करते हुए स्ट्रेस से जूझने के मोर्चे पर महिलाएं स्वयं अपना हाथ थामें।

स्वयं को संभालेंः घर-परिवार और वर्कप्लेस दोनों ही जगहों पर परफेक्शन की उम्मीद, महिलाओं के लिए कितनी ही तनाव की वजह बनती हैं। बढ़ती उम्र और जिम्मेदारियों के साथ ऐसी उलझनें भावनात्मक बिखराव भी लाती हैं। इन तनाव भरी परिस्थितियों को जीते हुए बहुत-सी स्त्रियां अवसाद के स्याह अंधेरे में खो जाती हैं, जिससे नींद न आना, बात-बात पर गुस्सा आना, चिड़चिड़ापन, याददाश्त में कमी जैसी परेशानियां भी पैदा होती हैं। 2026 के ग्लोबल स्लीप सर्वे में सामने आया है कि फैमिली ड्यूटीज के कारण 39 प्रतिशत महिलाओं की नींद खराब होती है। कई महिलाएं 4 घंटे की गहरी नींद के लिए भी संघर्ष करती हैं। ग्लोबल स्लीप सर्वे के मुताबिक भारत में महिलाएं पुरुषों की तुलना में अधिक अनिद्रा से जूझ रही हैं। ऐसे में स्ट्रेस देने वाली नकारात्मक भावनाओं और परिस्थितियों से बचने के लिए जिंदादिली के साथ हर हालात को जीने का जज्बा लाएं। तनाव के घेरे में आने पर अकेले जूझने के बजाय अपनों से बात करना और पेशेवर सलाह लेना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे कि यह तभी संभव है, जब स्त्रियां स्वयं अपने मन को संभालने को लेकर सजग होंगी।

विकास के नाम पर आज जिस तरह प्राकृतिक दोहन हो रहा है, यह एक बड़ी चिंता का विषय है। समय रहते हम न चेते तो पृथ्वी का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा। इसलिए बहुत जरूरी है, हम अपनी प्राकृतिक संपदा बचाएं, धरा हरी-भरी रहे। महिलाएं इस काम में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं।

सरोकारी सोच से रहेगी धरा हरी-भरी

सजगता
चैतन्या

पृथ्वी और स्त्री दोनों ही जीवन का आधार हैं। सृजन और पोषण का भाव दोनों के ही हिस्से आया है। इतना ही नहीं, धरा के समान ही महिलाएं भी बहुत सहनशील होती हैं। मां धरती अन्न, जल, वायु और सुरक्षा देकर जीवन सहेजती है। ठीक इसी तरह स्त्रियां भी रिश्तों-नातों को सींचती हैं। यही वजह है कि मदर अर्थ की रक्षा में महिलाओं की भागीदारी बहुत अहम हो जाती है। स्त्रियों में बचाने, सहेजने की एक नेचुरल समझ होती है। आज ही नहीं आने वाले कल को लेकर वे सजग रहती हैं। समझना जरूरी है कि धरती के रंग बचाने के लिए भी वर्तमान की सजगता ही आने वाले कल को सहेज सकती है। हमारी पोषक मां, धरती मां ही हमारी शक्ति है। इंसानी जीवन पृथ्वी के आंगन में ही पलता है। इसीलिए ऊर्जा के नए स्रोत तलाशने से लेकर जीवनशैली से जुड़े बदलावों तक, हर फ्रंट पर सही कवायद किए बिना भूमि के रंग सहेजना मुश्किल है।

इस साल की थीम 'अवर पॉवर-अवर प्लेनेट'ः पृथ्वी दिवस 2026 की थीम 'अवर पॉवर-अवर प्लेनेट' है। 'हमारी शक्ति, हमारा ग्रह' विषय रिन्यूएबल एनर्जी पर फोकस करता है। दो साल के लिए चुने गए इस विषय के तहत पिछले साल भी यह संदेश दिया गया था कि इस ग्रह पर बसने वाले ही इसको बचाने की शक्ति रखते हैं। साझी कोशिशें और सजगता ही पृथ्वी को एक स्वस्थ ग्रह बना सकते हैं। इन साझे प्रयासों को बल देने में स्त्रियों का रोल महत्वपूर्ण है। घर से लेकर परिवेश तक, महिलाएं अवेयरनेस लाने और बेरंग-शुष्क कुदरत को सार-संभाल के भावों की नमी लौटाने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को साथ ला सकती हैं। ऐसे में परिवार से हुई शुरुआत परिवेश तक बड़ा बदलाव ला सकती है।

अनदेखी का दंशः आखिर मां धरती की बिगड़ती सेहत को लेकर हम कब चेतेंगे? इंसानों को सशक्त बनाने वाले इस प्लेनेट की दूषित होती आबोहवा की सुध कब लेंगे? उजड़ती धरती और प्रदूषित होते हवा-पानी की चेतावनी के बावजूद हम भविष्य की चिंताओं से मुंह फेरे बैठे हैं। धरती मां अपने स्वार्थी बच्चों की हर ज्यादती सह रही है। जबकि धरती के रंग छीनने का मतलब इंसान द्वारा अपनी ही जिंदगी को बेरंग करने जैसा है। याद रहे कि जिस धरा के आंचल में हमें सब कुछ मिलता है, उसकी बेहतरी से ही मानवीय जीवन की बेहतरी भी जुड़ी है। पेड़-पौधों के बिना कुदरत का सूना आंगन और तेज रफ्तार तरक्की के नाम पर अशुद्ध होते जल-थल, वायु के साथ ही दूसरे जीव-जंतुओं की मौजूदगी के बिना इंसानों का जीवन भी कितना अधूरा-सा होगा। कहावत भी है कि 'धरा नहीं होगी तो सब धरा रह जाएगा।' प्रकृति पूजन की रीत वाले भारतीय समाज में धरती के दोहन की मानसिकता सचमुच दुःखद है। हमारे यहां तो पौराणिक और सांस्कृतिक रूप से भी पृथ्वी को देवी माना गया है। कितने ही पर्वों पर पृथ्वी और प्रकृति को ही पूजा जाता है। ऐसे में धरती की बिगड़ती आबोहवा की अनदेखी का दंश खुद इंसानों के लिए भी घातक ही है।

जरूरतों पर भारी इच्छाएंः तकलीफदेह है कि धरती मां के बच्चे अपनी आवश्यकताएं पूरी करने की बजाय धरा की झोली ही खाली करने लगे हैं। अपनी चाहतों के फेर में पृथ्वी की गोद सूनी करने का दुस्साहस करने लगे हैं। संसाधनों का सीमित इस्तेमाल करने के बजाय सुविधाजनक जीवनशैली से जुड़ी अंतहीन फेहरिस्त को पूरा करने के लिए कुदरत के हर हिस्से को चोट पहुंचाने लगे हैं। प्रकृति से सिर्फ अधिक से अधिक लेने-जुटाने की सोच रखने वाला इंसान लौटाने का भाव ही भुला चुका है। ऐसे में आवश्यकताओं और इच्छाओं का फर्क समझना जरूरी है।

स्किन केयर
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

क्लीनिंग करें ऐसे फेस दिखेगा ग्लोइंग

आमतौर पर फेस वॉशिंग को स्किन केयर का सबसे ईजी स्टेप माना जाता है। साफ-सुथरी और ग्लोइंग स्किन पाने की चाहत में अधिकतर महिलाएं दिन में कई बार चेहरा धोती हैं। सही तरीके से चेहरा धोने से त्वचा ताजा, साफ और स्वस्थ दिखती है। लेकिन लगभग 80 प्रतिशत महिलाएं चेहरा धोने में गलतियां करती हैं। यही वजह है कि कई बार चेहरा धोने के बावजूद उनकी त्वचा ग्लोलेस, डल और बेजान-सी दिखती हैं, जिसकी वजह से वे टेंशन में रहती हैं।

फेस वॉशिंग करें ऐसेः चेहरा धोते समय की गई कुछ गलतियों की वजह से हमारी त्वचा को फायदे की बजाय नुकसान पहुंचता है और ज्यादातर महिलाएं ये गलतियां अनजाने में कर बैठती हैं।

पहले हाथ करें साफः चेहरा धोने से पहले अपने हाथों को साबुन से जरूर साफ कर लें। गंदे हाथों से चेहरा धोने से गंदगी चेहरे पर फैल सकती है, जिससे चेहरे के रोमछिद्र बंद हो जाते हैं और कील, मुंहासे निकल आते हैं। इससे त्वचा संबंधी अनेक समस्याएं हो सकती हैं।

चुनें सही फेस वॉशः चेहरे को धोने के लिए ज्यादा फेस वॉश का उपयोग नुकसान पहुंचा सकता है। ज्यादा फेस वॉश लगाने से त्वचा का नेचुरल ऑयल खत्म हो जाता है और त्वचा रूखी-रूखी लगने लगती है। चेहरा धोने के लिए मटर के दाने के बराबर फेस वॉश काफी होता है। इसे अपनी हथेली पर डाल कर आपस में रगड़कर झाग बनाएं और साफ अंगुलियों की मदद से गीले चेहरे पर समान रूप से लगाएं। इसे आहिस्ता से गोलाकार गति में लगाएं क्योंकि इसके जोर से रगड़ने से त्वचा में घाव हो सकते हैं। इसके बाद इसे गुनगुने पानी से धो डालें। फेस वॉश का चयन करते समय अपनी स्किन टाइप का ध्यान रखें, क्योंकि गलत फेस वॉश इस्तेमाल करने से नुकसान हो सकता है। ड्राय स्किन के लिए क्रीम आधारित फेस वॉश और सेंसिटिव स्किन के लिए माइल्ड क्लींजर उपयोग करना चाहिए।

गुनगुना पानी है बेस्टः गरम पानी से चेहरा धोने से त्वचा की प्राकृतिक नमी खत्म हो जाती है। इससे बचने के लिए त्वचा ज्यादा तेल स्रावित करने लगती है जोकि कील-मुंहासों का कारण बनता है। अगर आप ठंडे पानी से चेहरा धोती हैं तो स्किन पोर्स सिकुड़ जाते हैं, जिससे चेहरा सही तरह से साफ नहीं हो पाता है। अगर आप कील मुंहासों से परेशान हैं तो ठंडे पानी से मुंह धोने से परेशानी बढ़ सकती है, क्योंकि ठंडा पानी त्वचा की सूजन जरूर कम करता है। लेकिन मुंहासों से होने वाली सूजन को कम नहीं कर सकता। इसलिए चेहरा धोने के लिए हमेशा गुनगुने पानी का इस्तेमाल करें और चेहरा रगड़ने की बजाय थपथपाकर सुखाएं। गुनगुना पानी रोमछिद्रों को खोलकर चेहरे से तेल और गंदगी को पूरी तरह हटा देता है और चेहरे का प्राकृतिक तेल और नमी भी बनाए रखता है।

बार-बार न करें फेस क्लीनः चेहरे को सुबह और शाम दो बार धोना बेहतर होता है। सुबह चेहरा धोने से रात की गंदगी और ऑयल क्लीन हो जाता है जबकि शाम को चेहरा धोने से दिन भर की धूल, मिट्टी और प्रदूषण हट जाता है। इससे अधिक यानी दिन में बार-बार चेहरा धोना त्वचा के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इससे आपकी त्वचा रूखी और खिंची-खिंची सी लगती है क्योंकि बार-बार चेहरा धोने से चेहरे की त्वचा में मौजूद प्राकृतिक तेल और नमी गायब हो जाती हैं जिससे चेहरे की सुरक्षा परत कमजोर हो जाती है।

हेल्दी रहने के लिए आपको यह समझना भी जरूरी है कि शरीर को प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के अलावा किन पोषक तत्वों की भी विशेष तौर पर जरूरत होती है? इस बारे में दे रहे हैं, आपके लिए बहुत यूजफुल सजेशंस।

न्यूट्रिएंट्स से भरपूर हो आपकी डाइट

डाइट सजेशन
राजकुमार 'दिनकर'

हमेशा हेल्दी और एनर्जेटिक रहने के लिए हमारे खाने की आदतें सही होना जरूरी है। बैलेंस्ड डाइट के लिए आप अपने भोजन को मुख्य रूप से तीन वर्ग में विभाजित कर सकते हैं। ऊर्जा देने वाला भोजन, शरीर को मजबूत बनाने वाला भोजन और रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने वाला भोजन। यहां हम आपको इसी आधार पर प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और फैट के अलावा डाइट में शामिल किए जाने वाले जरूरी न्यूट्रिएंट्स के बारे में बता रहे हैं।

फाइबरः घुलनशील फाइबर वाले खाद्य जैसे-ओट्स, मटर, बींस, सेब, रसेदार फल, गाजर और जौ शरीर में कोलेस्ट्रॉल बनने से रोकते हैं और कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से बचाते हैं। अघुलनशील फाइबर जैसे गेहूं, चोकर, नट्स, बींस, टमाटर, फूलगोभी आदि में मौजूद फाइबर, पाचन को दुरुस्त रखता है।

मिनरल्सः शरीर में पर्याप्त कैल्शियम की मौजूदगी का मतलब है मजबूत दांत और हड्डियां। इससे शरीर में मांसपेशियों की अच्छी वृद्धि होती है और हार्ट भी हेल्दी रहता है। कैल्शियम के लिए आपको दूध और दुग्ध उत्पादों के अलावा पालक, सफेद बींस, ब्रोकली और लाल बींस खाने चाहिए।

आयोडीन मस्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है और थाइरॉयड से होने वाले बुरे प्रभावों से हमारे शरीर की रक्षा करता है। इसे आप नमक, मछली, बटर और गहरे रंग की हरी सब्जियों से हासिल कर सकते हैं।

जिंक मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के बीच बैलेंस बनाता है। इसके लिए काजू, बादाम, मटर, अंडे, अदरक को अपने भोजन में जरूर शामिल करना चाहिए।

एंजाइम्स रिच फूडः कच्चे फलों में मौजूद एंजाइम्स पाचन क्रिया दुरुस्त करते हैं। खरबूजा, कोकोनट वाटर, फ्रूट सलाद, बटर मिल्क, कच्चे बादाम, सूशी जैसे खाद्य पदार्थ शरीर में एंजाइम्स के लिए हेल्पफुल होते हैं।

एल्केलाइन फूडः एल्केलाइन फूड्स इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। इसके लिए ब्रोकली, बंदगोभी, फूलगोभी, स्प्राउट्स, सेलरी, शलगम और पालक खाएं। नीबू सबसे अच्छा एल्केलाइन फूड माना जाता है, जो एसिडिटी, कफ, कोल्ड, फ्लू और हर्ट बर्न से बचाता है।

पानीः अपने शरीर में इलेक्ट्रोलाइट्स में संतुलन के लिए प्रतिदिन 10 से 12 गिलास पानी पीना चाहिए। यह शरीर के जोड़ों के लिए लुबरीकेंट बढ़ाने में मदद करता है। पाचन क्रिया को दुरुस्त रखता है और आंखों की नमी बरकरार रखता है। इससे शरीर का तापमान नियंत्रित रहता है और शरीर से टॉक्सिन को बाहर निकालता है। इसलिए प्रतिदिन पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ और शुद्ध पानी पीना चाहिए।

खबर संक्षेप

भगवान परशुराम का जन्मोत्सव मनाया

गोहाना। डेरा बाबा लक्ष्मण पुरी के प्रांगण में अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम का जन्मोत्सव श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने विधिविधान से पूजा-अर्चना की। गद्दीनशीन महंत बाबा कमल पुरी महाराज के सान्निध्य में भगवान परशुराम का पूजन किया गया। उन्होंने भगवान परशुराम अवतार के महत्व पर प्रकाश डाला।

जनगणना 2027 की तैयारियों की समीक्षा

सोनीपत। जनगणना 2027 के सफल एवं सुचारू संचालन को लेकर उपायुक्त सह प्रिंसिपल जनगणना अधिकारी, सोनीपत नेहा सिंह ने सोमवार को जनगणना के प्रभारी अधिकारी व सभी संबंधित अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक ली, जिसमें अब तक किए गए कार्यों की विस्तृत समीक्षा की । बैठक के दौरान प्रभारी अधिकारियों के द्वारा स्टाफ की कमी का मुद्दा उपायुक्त के समक्ष रखा गया।

शिविर में 145 मरीजों की आंखें जांची

सोनीपत। महात्मा आशा नन्द वधवा हिंदू मंच पंजीकृत एवं जिला अन्धता निवारण समिति सोनीपत के तत्वावधान में 269वां आंखों का फ्री कैम्प लक्ष्मी देवी गोसाई धर्मशाला, सिक्का कॉलोनी में लगाया। कैंप संस्था प्रधान हरि चन्द स्नेही की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। नागरिक अस्पताल के नेत्र विशेषज्ञ डॉ. विकास चहल ने रोगियों की आंखों की गहनता से जांच की। इस दौरान ओपीडी में 145 मरीजों की जांच की गई।

देशभक्ति गीतों से किया श्रद्धालुओं को भावविभोर

सोनीपत। आर्य समाज मॉडल टाऊन में सप्तदिवसीय वार्षिकोत्सव का शुभारंभ सोमवार को संस्था प्रधान ज्ञानेश्वर त्यागी की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम में गुरुकुल नोएडा से आमंत्रित आचार्य जयेन्द्र आर्य ने यज्ञ ब्रह्मा एवं मुख्य वैदिक प्रवक्ता के रूप में उपस्थित रहकर कार्यक्रम का मार्गदर्शन किया। यज्ञोपरांत बरेली से आमंत्रित संगीत रत्न आचार्य भानु प्रकाश शास्त्री ने प्रभु भक्ति और देशभक्ति से ओतप्रोत गीत प्रस्तुत कर श्रद्धालुओं को भावविभोर किया।

आरोपी को मंडौरा वासियों ने किया पुलिस के हवाले

खरखौदा। पशुओं के साथ कथित कुकृत्य करने के आरोपी को थाना क्षेत्र के गांव मंडौरा के ग्रामीणों और गौरक्षा दल के सदस्यों ने पकड़कर पुलिस के हवाले किया है। आरोपी की पहचान मंजीत के रूप में हुई है। बताया जाता है कि आरोपी पिछले कई दिनों से उनके पशुओं के साथ कुकृत्य कर रहा था। रविवार को आधी रात को उन्होंने आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया और तुरंत पुलिस को सूचना दे दी।

दमकल-निगम कर्मियों ने निकाला रोष मार्च

सोनीपत। हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन के आह्वान पर दमकल कर्मियों ने सोमवार को राज्यव्यापी हड़ताल को 22 अप्रैल तक जारी रखने का निर्णय लिया। दमकल कर्मियों ने हड़ताल के 13वें दिन नपा कर्मचारी संघ हरियाणा के आह्वान पर नगर निगम के सफाई कर्मचारियों के साथ मिलकर काले बिल्ले लगाकर निगम कार्यालय से लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह के गेट पर रोष मार्च निकाला।

युवाओं में नशे की लत गहन चिंता का विषय

गोहाना। पंजाबी महासभा गोहाना के अध्यक्ष एवं नगर परिषद गोहाना की चेयरपर्सन रजनी विरमानी के पति इंद्रजीत विरमानी ने कहा कि युवाओं में नशे की लत समाज में आज एक बड़ी चिंता का विषय है। संत रामपाल के सानिध्य में गांव धनाना स्थित सतलोक आश्रम द्वारा चलाया जा रहा है नशामुक्ति अभियान एक सराहनीय कदम है।

अंतर सदनीय कविता पाठ प्रतियोगिता हुई

गोहाना। शहर में महम मार्ग स्थित जेकेआर पब्लिक स्कूल में सोमवार को अंतर सदनीय कविता पाठ प्रतियोगिता करवाई गई। यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों में वाचन कौशल कला में वृद्धि के लिए आयोजित की गई जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

समाधान शिविर में 17 फरियादी पहुंचे

सोनीपत। उपायुक्त नेहा सिंह ने लघु सचिवालय में आयोजित समाधान शिविर की अध्यक्षता करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए कि वो शिकायतों का समाधान जल्द से जल्द करना सुनिश्चित करें। सोमवार को आयोजित समाधान शिविर के दौरान 17 शिकायतें प्राप्त हुई। समाधान शिविर का आयोजन उपायुक्त नेहा सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस दौरान जागसी निवासी रामकुमार ने शिकायत दी कि उसकी पेंशन काट दी है उसकी पेंशन दोबारा से चालू करवाई जाएं, हुल्लाहेड़ी निवासी करतार सिंह ने शिकायत दी कि गांव में जाने वाले रास्ते को रोक दिया है। ग्राम सभा की जमीन पर अवैध कब्जा करके मकान बनाया जा रहा है इस प्रकार हो रहे अवैध कब्जे को रोका जाए, मुंडलाना के ग्रामीणों ने उपायुक्त को शिकायत दी कि गांव में जिस जमीन पर उनके प्लाट काटे गए थे वहां पर सरपंच द्वारा शमशान घाट का निर्माण करवाया जा रहा है।

राजकीय विद्यालयों में 45 दिवसीय कक्षा तत्परता कार्यक्रम का किया जा रहा संचालन

नई किताबों के लिए विद्यार्थियों को 2 माह करना होगा इंतजार

नई शिक्षा नीति 2020 के तहत कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पिछले सिलेबस की पुनः तैयारी करवाकर बनाया जाएगा निपुण

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

जिले के राजकीय विद्यालयों में शिक्षा ग्रहण करने वाले सभी विद्यार्थियों को 20 दिन बाद भी किताबें मुहैया नहीं करवाई गई हैं। शिक्षा विभाग के अंतर्गत जिले में 420 राजकीय प्राथमिक विद्यालयों का संचालन किया जा रहा है। इन विद्यालयों के अधिकतर विद्यार्थी नया शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने के बावजूद किताबों से वंचित हैं। राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) गुरुग्राम से अब जिले के अधिकतर विद्यालयों में किताबें नहीं पहुंच पाई हैं। इस बीच विद्यालय शिक्षा निदेशालय ने निपुण हरियाणा मिशन के तहत राजकीय विद्यालयों में अप्रैल व मई माह में विशेष 45 दिवसीय अभियान कक्षा तत्परता कार्यक्रम के माध्यम से शैक्षिक सुधार लाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम प्रारंभ हो चुका है, जिसका मई माह तक संचालन किया जाएगा। निदेशालय के निर्देश हैं कि बालवाटिका-3 से कक्षा 5वीं तक के विद्यार्थियों पर पढ़ाई का बोझ डालने के बजाय खेल-आधारित व अनुभवात्मक गतिविधियों पर जोर दिया जाए। विद्यालय शिक्षा निदेशालय के निर्देशानुसार नई शिक्षा नीति 2020 के तहत मूलभूत साक्षरता एवं संख्यात्मकता (एफएलएन) को मजबूत करना प्राथमिकता है। निपुण हरियाणा मिशन के तहत बच्चों को ग्रेड स्तरीय दक्षता प्रदान करना है। निदेशालय का मानना है कि शैक्षणिक सत्र पूर्ण होने के बावजूद करीब 15 फीसदी बच्चे वर्णों की पहचान नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में उनकी आगामी पढ़ाई प्रभावित हो सकती है। नई शिक्षा नीति को धरातल पर उतारने के लिए बच्चों को निपुण बनाना आवश्यक है। बच्चों के समग्र विकास के प्रयास किए जा रहे है, ताकि भविष्य में भी सकारात्मक परिणाम सामने आ सकें। इसी को लेकर नई शिक्षा नीति 2020 के तहत कक्षा तत्परता कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को गत वर्ष के सिलेबस की पुनः तैयारी करवाकर निपुण बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

सोनीपत। सेक्टर-15 स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करते विद्यार्थी।

4 ब्लॉक में पहुंची , 3 में जल्द आने की उम्मीद

एससीईआरटी गुरुग्राम की ओर से जिले के चार ब्लॉक गोहाना, खरखौदा, मुंडलाना व कथूरा में किताबों का स्टॉक पहुंच चुका है। सभी विद्यालयों में किताबों का वितरण किया जा रहा है। उम्मीद है कि सोनीपत, गन्नौर व राई ब्लॉक में भी एक-दो दिन के अंदर किताबें पहुंच जाएंगी। निदेशालय के निर्देश पर फिलहाल सभी विद्यालयों में विद्यार्थियों के लिए कक्षा तत्परता कार्यक्रम का संचालन किया जा रहा है।

-कृष्णा खत्री, डीपीसी, समग्र शिक्षा विभाग, सोनीपत

छात्रों की प्रगति का तैयार करना होगा विवरण

विद्यालय प्रबंधकों की मानें तो कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों के सीखने के स्तर पर नजर रखने के लिए प्रत्येक छात्र की एक क्लास रेडीनेस स्किल पासबुक बनाई जाएगी। इस पासबुक में छात्र की प्रगति का पूरा विवरण दर्ज किया जाएगा। साथ ही हर दूसरे सप्ताह इसे अपडेट किया जाएगा। साथ ही शिक्षकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह अभिभावकों से नियमित संवाद करें, ताकि बच्चों को जल्द निपुण बनाने में सहयोग मिल सके। जिलास्तर पर उक्त कार्यक्रम की प्रगति रिपोर्ट को मुख्यालय को भेजा जाएगा। साथ ही खंड शिक्षा अधिकारियों, संसाधन संयोजकों को कार्यक्रम में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। मानना है कि अगर विद्यार्थी प्राथमिक स्तर पर हिंदी, गणित व अंग्रेजी में निपुण होंगे, तो उच्च शिक्षा के अध्ययन में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

खेल, संवाद व अनुभव से पढ़ाए जा रहे विद्यार्थी

बता दें कि राजकीय विद्यालयों में हर वर्ष किताबों का वितरण केंद्र व राज्य सरकार की संयुक्त भागीदारी से किया जाता है। इनमें केंद्र सरकार 60 % व राज्य सरकार 40 % खर्च वहन करती है। फिलहाल कक्षा तत्परता कार्यक्रम के तहत कक्षाओं में गतिविधि आधारित शिक्षण को बढ़ावा दिया जा रहा है। बच्चों को खेल, संवाद व अनुभव के माध्यम से पढ़ाया जाएगा। कक्षा दूसरी से 5वीं तक हिंदी, गणित व अंग्रेजी विषयों में दक्षताओं को तय किया जाएगा। अंग्रेजी में वाक्य निर्माण, व्याकरण व लेखन कौशल पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

कक्षा अनुसार विद्यार्थियों के दाखिले पर नजर

कक्षा	दाखिले हुए
बालवाटिका-3	2096
पहली	5235
दूसरी	6978
तीसरी	7233
चौथी	7633
पांचवीं	8738
छठी	9348
सातवीं	9415
आठवीं	9907
नौवीं	9103
दसवीं	8996
ग्यारहवीं	223
बाहरवीं	7655
कुल	92560

खरखौदा। बैठक के दौरान अपनी बात रखते पार्षद अनूप दहिया। *फोटो: हरिभूमि*

नपा से खफा पार्षद कोर्ट की शरण लेने का बना रहे मन

हरिभूमि न्यूज ⏭खरखौदा

शहर के मुख्य मार्गों से डिवाइडरों को हटाने को लेकर नगर पालिका कार्यालय में चेयरमैन हीरालाल इंदौरा की अध्यक्षता में बैठक हुई। डिवाइडर हटाए जाएं या न हटाएं जाएं के मुद्दे पर पार्षदों ने अपनी अपनी राय दी। वार्ड 4 के पार्षद जसवीर ने कहा कि डिवाइडरों को मार्ग से उठाने व दोबारा रखने का जो खर्च आएगा, वह नगर पालिका पर अनावश्यक बोझ होगा। पार्षद नवीन दहिया ने कहा कि दुकानदारों के अतिक्रमण की वजह से मार्ग पर जाम लगता है, जबकि डिवाइडरों को बेवजह मुद्दा बनाया जा है। पार्षद अनूप दहिया ने कहा कि दुकानों की नगर पालिका द्वारा हद तय की जानी चाहिए। यदि कोई दुकानदार इसका उल्लंघन करता है तो उस पर जुर्माने का प्रावधान होना चाहिए। शहर के विकास कार्यों को दर किनार कर ध्यान डिवाइडरों में उलझा दिया है। पार्षद सोमवती ने कहा कि डिवाइडर हटाने से स्कूली बच्चों व राहगीरों के लिए काफी परेशानी होगी।

ये बोले-चेयरमैन

चेयरमैन हीरालाल का कहना था कि उनको विश्वास में लिए बिना अतिक्रमण हटाओ कमेटी का गठन किया गया था। कमेटी ने अतिक्रमण के प्रति दुकानदारों को आगाह किया था। अब अतिक्रमण हटाओ की बात कहीं पीछे छूट गई है जबकि नपा प्रशासन ने डिवाइडर उठाने का फैसला लिया है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब उनकी सलाह ही नहीं ली जानी तो चेयरमैन व पार्षदों के निर्वाचन की क्या आवश्यकता है। इस बीच दो पार्षदों के बीच आपसी कहा सुनी हो गई और हाथापाई तक की नौबत आ गई। जिसके कारण कई पार्षद व नपा सचिव बैठक को छोड़कर चले गए। असंतुष्ट पार्षद न्यायलय की शरण लेने पर विचार कर रहे हैं।

बेटी बोझ नहीं अभियानः करवाई 2 और कन्याओं की शादी

सोनीपत। सेफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा संचालित "बेटी बोझ नहीं – जरूरतमंद कन्या विवाह परियोजना" के अंतर्गत रविवार को एक और सोमवार को एक जरूरतमंद कन्या की शादी पैराडाइज गार्डन में विवाह सादगी, सम्मान और सामाजिक संवेदनशीलता के साथ सम्पन्न कराया गया। संस्था द्वारा करवाई गई शादियों की संख्या 169 तक पहुंच गई है। संस्था के चेयरमैन वाईके त्यागी एवं प्रधान संजय सिंगला ने बताया कि अभियान केवल विवाह करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में बेटियों के प्रति सकारात्मक सोच और सम्मान की भावना को मजबूत करने का प्रयास है।

पात्र व्यक्तियों को मिल रहा लाभ

- भाजपा ने 11 वर्ष में गांवों व शहरों की बदल दी तस्वीर : विधायक

हरिभूमि न्यूज ⏭खरखौदा

विधायक पवन खरखौदा ने प्रेस वार्ता में बताया कि सीएम नायब सिंह सैनी ने प्रदेश की 621 गौशालाओं के लिए 70 करोड़ की धनराशि जारी की है। जिसमें खरखौदा क्षेत्र की भी तीन गोशालाएं शामिल हैं। चारा व गोशाला उत्थान के लिए विधायक पवन खरखौदा ने अपने करकमलों से सिसाना गोशाला के लिए 60 लाख 4 हजार 840, सैदपुर गोशाला के लिए 4 लाख 54 हजार 240 व निरथान गोशाला के लिए 4 लाख 67 हजार 260 रुपये के चेक सौंपे। कहा कि सरकार द्वारा जनहित में चलाई जा रही योजनाओं का लाभ प्रदेश के प्रत्येक व्यक्ति को मिल रहा है। सरकार ने 11 वर्षों के दौरान प्रदेश के गांव व शहर में विकास कार्यों की झड़ी लगा कर इनकी तस्वीर बदल दी है।

खरखौदा। सिसाना गोशाला प्रधान को चेक सौंपते विधायक पवन। *फोटो: हरिभूमि*

दोबारा महिला आरक्षण बिल लोस में लाया जाएगा

विपक्ष ने मातृशक्ति को उसके हितों से वंचित रखने के लिए यह कार्य किया है। प्रदेश में होने जा रहे स्थानीय निकाय चुनाव व अन्य प्रदेशों में होने वाले विधानसभा चुनाव में महिलाएं भाजपा के पक्ष में मतदान कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करेंगी। उन्होंने कहा कि सही समय पर दोबारा महिला आरक्षण बिल लोकसभा में लाया जाएगा।

अधिकारियों/कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी

सोनीपत। उपायुक्त-सह-प्रिंसिपल जनगणना अधिकारी सोनीपत नेहा ने बताया कि जनगणना कार्य हेतु नियुक्त कुछ अधिकारियों कर्मियों द्वारा अनिवार्य प्रशिक्षण सत्रों में भाग नहीं लिया गया तथा उन्हें सौंपे गए जनगणना कार्यों, जिनमें हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग जनगणना शामिल है, के निष्पादन में लापरवाही बरती गई है। बताया कि जनगणना कार्य राष्ट्रीय महत्व का वैधानिक दायित्व है। सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया जाता है कि वे जनगणना अधिनियम, 1948 की धारा 4(2) के अंतर्गत अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना सुनिश्चित करें। सभी अनुपस्थित एवं कार्य में लापरवाही बरतने वालों को निर्देश दिए कि वे इस के नोटिस जारी होने के 24 घंटे के भीतर अपने संबंधित चार्ज अधिकारियों तहसीलदार के समक्ष उपस्थित होकर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करें।

डिजिटल युग में कंप्यूटर का विशेष महत्व

- 2100 बेटियों-महिलाओं को फ्री कंप्यूटर शिक्षा अभियान के तहत गांव गढ़ी उजाले खां में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ⏭गोहाना

पंजाबी सेवा संगठन द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों की 2100 बेटियों व महिलाओं को फ्री कंप्यूटर शिक्षा अभियान के तहत सोमवार को गढ़ी उजाले खां में कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम कैबिनेट मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा एवं डॉ. रीटा शर्मा के सानिध्य में संचालित किया जा रहा है। अध्यक्षता संगठन अध्यक्ष सुमित कक्कड़ ने की और संयोजन भाजपा किसान मोर्चा की जिला उपाध्यक्ष किरण सैनी ने किया।

गोहाना। बेटियों को कम्प्यूटर शिक्षा के लिए जागरूक करते अतिथि एवं आयोजक।

कंप्यूटर सीखने का आह्वान

मुख्य वक्ता भाजपा वरिष्ठ नेता एवं जिला कष्ट निवारण समिति सदस्य अरुण बड़ौक ने कहा कि आज डिजिटल युग के दौर में कंप्यूटर शिक्षा का विशेष महत्व है। आत्मनिर्भरता के लिए बेटियों एवं महिलाओ को कंप्यूटर जरूर सीखना चाहिए। सजरूरतमंद परिवार की बेटियां कॉलेज मोड स्थित संगठन कार्यालय में अपना आकर या फिर अपने वार्ड के पार्षद एवं गांव के सरपंच के माध्यम से पंजीकरण करवा सकती है संगठन अध्यक्ष सुमित कक्कड़ ने बताया कि बेटियां पढना लिखना चाहती है पर उनके परिवार की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वो पढ़ लिख नहीं पाती। पंजाबी सेवा संगठन शिक्षा के क्षेत्र में कदम बढ़ाते जरूरत मंद परिवार की 2100 बेटियों को निःशुल्क कंप्यूटर शिक्षा देने का संकल्प लिया है।

दिव्यांग बच्चों को करवाया योग

गोहाना। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस : 2026 के उपलक्ष्य में गांव मदीना में गोहाना-महम मार्ग स्थित डीबीएम विशेष विद्यालय में दिव्यांग बच्चों के लिए 6 दिवसीय विशेष योग शिविर का शुभारंभ हो गया। हरियाणा योग आयोग एवं आयुष विभाग सोनीपत के तत्वावधान में आयोजित इस शिविर के पहले दिन सोमवार को दिव्यांग बच्चों को विभिन्न योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। योग शिविर का शुभारंभ संस्थान के एमडी विकास मलिक ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलन के साथ किया। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. राम अवतार, जिला को-ऑर्डिनेटर डॉ. विनोद, आयुर्वेदिक नोडल अधिकारी डॉ. पारुल और योग विशेषज्ञ डॉ. संगीता के निर्देशन में आयोजित इस शिविर में योग सहायक सुनील कुमार, अरुण कुमार, प्रवीन देवी और जयदीप कुमार ने दिव्यांग बच्चों को योग क्रियाओं का अभ्यास करवाया। दिव्यांग बच्चों को कंधों और गर्दन के व्यायाम के साथ अनुलोम-विलोम, भ्रामरी और प्राणायाम का अभ्यास करवाया गया।

असफलता ही सफलता की सीढ़ी

- सेक्टर-23 स्थित नि:शुल्क कोचिंग सेंटर में नरेंद्र सैनी ने विद्यार्थियों को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ⏭सोनीपत

सेक्टर-23 स्थित संस्थान में आयोजित प्रेरक सत्र में उत्तर प्रदेश सरकार के पीएससी (एलाइड) अधिकारी एवं मोटिवेटर नरेंद्र सैनी ने युवाओं को सफलता का मूल मंत्र देते कहा कि असफलता ही व्यक्ति को आगे बढ़ने की असली प्रेरणा देती है। उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे विद्यार्थियों को तनाव से उबरने और लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने के गुर सिखाए। सेंटर संचालक अमित लाठिया के आमंत्रण पर पहुंचे नरेंद्र सैनी ने अपने संघर्षपूर्ण जीवन का अनुभव साझा करते हुए बताया कि वर्ष 2002 में उन्होंने दिल्ली पुलिस में सिपाही के रूप में नौकरी शुरू की थी। एक साधारण पद से शुरुआत करने के बावजूद उन्होंने निरंतर प्रयास जारी रखा और उच्च शिक्षा प्राप्त कर अंततः पीएससी एलाइड अधिकारी बने।

सोनीपत। सेक्टर-23 में युवाओं को प्रेरित करते नरेंद्र सैनी। *फोटो: हरिभूमि*

300 के करीब सरकारी सेवाओं में चयनित

नरेंद्र सैनी ने बताया कि आईएएस बनने का सपना पूरा न होने के बाद उन्होंने संकल्प लिया कि वह आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों को निःशुल्क मार्गदर्शन देंगे। इसी प्रयास का परिणाम है कि अब तक उनके मार्गदर्शन में करीब 300 विद्यार्थी विभिन्न सरकारी सेवाओं में चयनित हो चुके हैं।

समाधान शिविर में कई लोगों ने जमीन विवाद की शिकायतें दी

गोहाना। सोमवार को समाधान शिविर में कई व्यक्ति ग्रामीणों ने जमीनी विवाद को लेकर शिकायतें की। शिविर उपमंडलीय परिसर में लगाया गया। शिकायतों की सुनवाई एसडीएम अंकित कुमार ने की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समाधान कराने के निर्देश दिए। गांव महमूदपुर के शमशेर शर्मा ने पंचायत द्वारा उसकी जमीन के कुछ हिस्से पर कब्जा करने का आरोप लगाया। गांव पूठी के ग्रामीणों ने कहा कि ग्राम पंचायत ने बिना पैमाइश के श्मशान स्थल की चारदीवारी करवाई और अपने चहेतों का कुछ हिस्से पर कब्जा करवा दिया। गांव छपरा कर्मवीर ने कहा कि उनकी जमीन संयुक्त खेवट में है, जिसको लेकर केस चल रहा है। उसके खेत में गेहूं की फसल पकी हुई खड़ी है और दूसरे पक्ष के लोग वहां तक कटाई के लिए वाहन नहीं जाने दे रहे हैं।

समस्या ग्रामीण बोले-कई बार शिक्षा विभाग के अधिकारियों को अवगत करवा चुके

छोटी गढ़ी का रा. प्राइमरी स्कूल बदहाल, जर्जर भवन-टूटी चारदीवारी से छात्रों की सुरक्षा पर खतरा

- जल्द से जल्द स्कूल की मरम्मत और साफ-सफाई करवाने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭गन्नौर

गांव छोटी गढ़ी स्थित राजकीय प्राइमरी स्कूल की हालत बेहद खराब हो चुकी है, जिससे यहां पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो रहे हैं। स्कूल का भवन जर्जर स्थिति में है और कई स्थानों पर दीवारों में दरारें साफ दिखाई दे रही हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। स्कूल की चारदीवारी भी कई जगह से टूटी हुई है, जिसके कारण बाहरी लोगों और पशुओं का अंदर आना-जाना लगा रहता है। इसके अलावा स्कूल परिसर में जंगली घास उगी हुई है, जो सांप-बिच्छू जैसे जहरीले जीवों के लिए अनुकूल वातावरण बना रही है। ऐसे में बच्चों के लिए यहां पढ़ाई करना खतरे से खाली नहीं है। ग्रामीणों का कहना है कि वे कई बार इस समस्या को लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को अवगत करा चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों में इसको लेकर रोष बना हुआ है और उन्होंने जल्द से जल्द स्कूल की मरम्मत व सफाई कराने की मांग की है।

गन्नौर। छोटी गढ़ी का राजकीय प्राइमरी स्कूल की क्षतिग्रस्त चारदीवारी।

एस्टिमेट बन चुका

खंड शिक्षा अधिकारी सुरजीत घणघस का कहना है कि उन्हें स्कूल की स्थिति की जानकारी मिली है चार दिवारी का एस्टिमेट बन चुका है, उसकी भी रिपेयर करवा दी जाएगी। मैदान की सफाई के लिए निर्देश दे दिए गए हैं।

सफाई कर्मी नहीं

मुख्याध्यापिका विद्यावति ने बताया कि स्कूल में सफाई कर्मी तैनात नहीं है। कई बार उन्होंने गांव के लोगों से मदद से मैदान की सफाई करवाई है। अब फिर से घास बड़ी हो गई है। वहीं टूटी दीवार को लेकर उन्होंने खंड शिक्षा अधिकारी को पत्र सौंपा है जल्द ही दिवार रिपेयर होने की उम्मीद है।

5.71 लाख को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाने का लक्ष्य

सोनीपत। जिले में 21 अप्रैल को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा। इसके लिए शिक्षा व महिला एवं बाल विकास विभाग को सहयोग करना अनिवार्य रहेगा। उपायुक्त नेहा सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के तहत जिले में एक से 19 वर्ष आयु के सभी बच्चों व किशोर-किशोरियों को कीड़े मारने की दवा खिलाए जाने का लक्ष्य रखा गया है। बच्चों को आमतौर पर यह गोली प्रत्येक छह माह में खिलाई जाती है। यदि कोई बच्चा मंगलवार को को दवा लेने से वंचित रह जाता है, तो उसे 5 मई को दवा दिलवाना सुनिश्चित किया जाए। उप सिविल सर्जन डॉ. स्वराज चौधरी ने बताया कि अभियान के दौरान विभाग की ओर से 5.71 लाख बच्चों, किशोरों व 24 साल तक की महिलाओं को एल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई जाएंगी। इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। नागरिक अस्पताल से लेकर सभी पीएचसी तक रैपिड रिस्पांस टीम भी बनाई गई है।

खबर संक्षेप

कार ने पैदल चल रही महिला को मारी टक्कर

खरखौदा। तेज गति से आ रही कार ने सड़क किनारे पैदल चल रही महिला को पीछे से टक्कर मार कर घायल कर दिया। स्थानीय निवासी घायल सुषमा ने बताया कि वह सुबह अपनी सहेली के साथ अपने घर पर जा रही थी कि मटिंडू चौक के पास सांपला मार्ग की तरफ से तेज रफ्तार गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि महिला के दाएं पैर में काफी गहरी चोट लग गई। पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

दो लापता बच्चों को पुलिस ने खोजा

गन्नौर। थाना बड़ी के अंतर्गत गांव से गायब हुए दो मासूम बच्चों को पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सुरक्षित खोज निकाला। पुलिस के अनुसार 19 अप्रैल को 11 वर्षीय लड़का और 9 वर्षीय लड़की घर से अचानक लापता हो गए थे। स्वजन द्वारा डायल-112 पर की गई शिकायत के माध्यम से थाना बड़ी में इसकी सूचना मिली। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी उप निरीक्षक कुलदीप सिंह अपनी टीम के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने बच्चों के परिवार के साथ मिलकर आसपास के क्षेत्रों में अभियान चलाया। जिसके बाद पुलिस ने दोनों बच्चों को गन्नौर फ्लाईओवर के नीचे से सुरक्षित ढूंढ लिया। पुलिस की इस त्वरित कार्रवाई से परिवार ने राहत महसूस की और आभार व्यक्त किया।

बाइक की टक्कर से मजदूर की मौत

गन्नौर। बड़ी औद्योगिक क्षेत्र के पास जीटी रोड पर तेज गति से आई बाइक की टक्कर से मजदूर की मौत हो गई। मृतक की पत्नी ने इसकी शिकायत थाना बड़ी में शिकायत दर्ज कर ली गई। पुलिस को दी शिकायत में करैनी, बाघराय, जिला प्रतापगढ़, उत्तरप्रदेश की रहने वाले आरती ने बताया कि वह पति लालचन्द्र के साथ बड़ी गांव में किराये में रह रही है। वह 18 अप्रैल को पति के साथ ड्यूटी खत्म कर कमरे पर लौट रही थी। जब वे जीटी रोड पार कर रहे थे, तभी दिल्ली की ओर से तेज गति से आ रही बाइक ने लालचन्द्र को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों सड़क पर गिर गए। राहगीरों ने एम्बुलेंस की मदद से उन्हें अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने लालचन्द्र को मृत घोषित कर दिया।

रिटायर कर्मचारी 21 को देंगे धरना

सोनीपत। अखिल भारतीय राज्य सरकारी पेंशनर्स एसोसिएशन के आह्वान पर 21 अप्रैल को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक जिला मुख्यालय पर रिटायर कर्मचारी संघ हरियाणा, जिला सोनीपत के बैनर तले धरना दिया जाएगा। धरने में वित्त विधेयक 2025 को निरस्त करने, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को कैशलेस मेडिकल सुविधा देने, डॉक्टरों व दवाइयों की उपलब्धता बढ़ाने, महंगाई भत्ते का बकाया देने सहित विभिन्न मांगों को उठाया जाएगा।

प्रशासनिक निदेशक ने चिकित्सकों की टीम के साथ नागरिक अस्पताल का किया निरीक्षण

आईसीयू में मरीज दाखिल नहीं मिलने पर मांगा जवाब

नवनिर्मित ऑपरेशन थिएटर में स्वच्छता देख जाहिर की प्रसन्नता

डॉ. जितेंद्र कादियान ने टीम के साथ अस्पताल के विभिन्न विभागों, विशेष रूप से ऑपरेशन थिएटर (ओटी), आईसीयू, आपातकालीन वार्ड व डिस्पेंसरी की कार्यप्रणाली व व्यवस्थाओं की जांच की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के प्रशासनिक निदेशक डॉ. जितेंद्र कादियान ने सोमवार को दिल्ली रोड स्थित नागरिक अस्पताल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान डॉ. जितेंद्र कादियान ने टीम के साथ अस्पताल के विभिन्न विभागों, विशेष रूप से ऑपरेशन थिएटर (ओटी), आईसीयू, आपातकालीन वार्ड व डिस्पेंसरी की कार्यप्रणाली व व्यवस्थाओं की जांच की। उनके साथ सिविल सर्जन डॉ. ज्योत्सना व अन्य वरिष्ठ चिकित्सक मौजूद रहे। अस्पताल में निरीक्षण के दौरान प्रशासनिक निदेशक डॉ. जितेंद्र कादियान सबसे पहले नवनिर्मित व आधुनिक ऑपरेशन थिएटर (ओटी) पहुंचे।

वहां की सुविधाओं व स्वच्छता को देखकर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने कहा कि ओटी की बनावट व तकनीक मानक के अनुरूप है, लेकिन अब समय आ गया है कि इस सुविधा का लाभ अधिक से अधिक मरीजों को मिले। उन्होंने चिकित्सकों को निर्देश दिए कि वह सर्जरी के लिए आने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि करें, ताकि संसाधनों का पूर्ण उपयोग हो सके। आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को निजी अस्पतालों के महंगे खर्च से बचाया जा सके।

सोनीपत। नागरिक अस्पताल परिसर का टीम के साथ निरीक्षण करते राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन हरियाणा के प्रशासनिक निदेशक डॉ. जितेंद्र कादियान।

- सर्जरी के लिए आने वाले मरीजों की संख्या में वृद्धि करें
- गंभीर मरीजों को यहीं दाखिल कर इलाज मुहैया कराया जाए

इसके बाद डॉ. जितेंद्र आईसीयू पहुंचे, तो वहां कोई भी मरीज दाखिल नहीं मिला। इस पर उन्होंने असंतोष जाहिर करते हुए अस्पताल प्रबंधन से जवाब तलब किया। उन्होंने निर्देश दिए कि गंभीर मरीजों को यहीं दाखिल कर इलाज मुहैया कराया जाए।

सभी वार्डों और गलियारों में सफेदी व स्वच्छता की बारीकी से जांच की

प्रशासनिक निदेशक निदेशक डॉ. जितेंद्र कादियान नागरिक अस्पताल में स्वच्छता व अनुशासन बनाए रखने के लिए काफी सख्त नजर आए। ओटी के प्रवेश द्वार के बाहर रखे एक पुराने शूज रैक को देखकर उन्होंने नाराजगी जताई। मौजूद प्रबंधन को यहां से रैक को तुरंत हटवाने के निर्देश दिए। उनके आदेश पर मौके पर ही रैक को वहां से शिफ्ट किया गया। उन्होंने सभी वार्डों व गलियारों में सफेदी व स्वच्छता की स्थिति की बारीकी से जांच की। अधिकारियों को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में कहीं भी गंदगी या अनावश्यक सामान जमा न होने पाए। डॉ. जितेंद्र कादियान ने कहा कि यदि नागरिक अस्पताल में बुनियादी ढांचा और स्टाफ मौजूद है, तो मरीजों को रोहतक पीजीआई या अन्य केंद्रों पर रेफर करने के बजाय यहीं उपचार देना प्राथमिकता होनी चाहिए।

मुरथल के पास सड़क हादसे में गार्ड की मौत

सोनीपत। नेशनल हाईवे-44 पर मुरथल के पास कार की टक्कर से ढाबे के गार्ड की मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक मौके से भाग गया। बिहार के जिला मधुबनी के गांव हुलास पट्टी निवासी राजकुमार ने मुरथल थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है कि वह कुराड़ में रहते हैं और सुखदेव ढाबे पर नौकरी करते है।

- सड़क पार करते समय तेज रफ्तार कार ने मार दी टक्कर

उनके परिवार में चचेरे भाई देवेंद्र भी मुरथल स्थित गुलशन ढाबा पर गार्ड की नौकरी करते थे। देवेंद्र 14 अप्रैल को 11:30 बजे महारानी ढाबा के पास किसी काम से गए थे। इसी दौरान जब वह सड़क पार कर रहे थे तो पानीपत की ओर से तेज गति और लापरवाही से आ रही सफेद रंग की आई-10 ग्रैंड कार ने उनके भाई को टक्कर मार दी थी। हादसे के बाद आसपास मौजूद लोगों ने देवेंद्र को एंबुलेंस की मदद से सरकारी अस्पताल सोनीपत पहुंचाया था, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे पीजीआईएमएस रोहतक रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान गंभीर चोटों के चलते उनके भाई की मौत हो गई।

महिलाओं को नेतृत्व का अवसर प्रदान करना जरूरी : प्रो. सुदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गोहाना

भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय (विवि) में सोमवार को महिला वैज्ञानिक नेतृत्व को सशक्त बनाने की दिशा में साप्ताहिक कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। यह कार्यशाला 24 अप्रैल तक चलेगी। कार्यशाला की अध्यक्षता फैकल्टी ऑफ साइंसेज के डीन प्रो. सुनील सांगवान ने की। मुख्य अतिथि विवि की कुलपति प्रो. सुदेश ने कहा कि वर्तमान समय में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महिलाओं की भूमिका तेजी से बढ़ रही है, लेकिन उन्हें नेतृत्व के अवसर प्रदान करना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने प्रतिभागियों को शोध के क्षेत्र में नई सोच और वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर समाज और राष्ट्र निर्माण में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। मुख्य वक्ता एमडीयू रोहतक के प्रो. राजेश पुनिया ने विभिन्न आधुनिक शोध तकनीकों, उपकरणों तथा कैरेक्टराइजेशन विधियों की विस्तृत जानकारी दी। इस कार्यशाला में देश भर से 85 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें शोधार्थी, छात्राएं तथा विभिन्न शिक्षण संस्थानों के शिक्षक शामिल हैं।

- कार्यशाला में 85 प्रतिभागी भाग ले रहे

गोहाना। प्रतिभागियों को सम्बोधित करतीं कुलपति प्रो. सुदेश। फोटो : हरिभूमि

पात्र परिवार को मिलेगा सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ : विधायक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गन्नौर

विधायक देवेंद्र कादियान ने सोमवार को अपने निजी कार्यालय में साप्ताहिक जनता दरबार लगाकर क्षेत्रवासियों की समस्याएं सुनीं। सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक चले इस दरबार में बिजली, पानी, सड़क और व्यक्तिगत शिकायतों का अंबार लगा रहा।

- विधायक देवेंद्र कादियान ने सुनीं जन समस्याएं

जनता दरबार में बड़ी गांव के बीपीएल परिवारों ने 119 प्लॉटों के मालिकाना हक को लेकर गुहार लगाई है। विधायक ने स्पष्ट किया कि किसी भी पात्र व्यक्ति के साथ अन्याय नहीं होगा और नियमों के अनुसार प्लॉट उनके पास रहेंगे। वहीं, बीएसटी कॉलोनी के निवासी भी नोटिस मिलने के बाद राहत की उम्मीद लेकर पहुंचे। इधर, दतौली गांव के फेफड़ों के रोग से ग्रस्त संदीप को विधायक ने ऑपरेशन के लिए मदद का भरोसा दिया है। विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा, गन्नौर की जनता का विश्वास ही मेरी ताकत है। जनता दरबार का उद्देश्य लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान करना है।

गन्नौर। विधायक देवेन्द्र कादियान बड़ी गांव की महिलाओं की समस्या सुनते हुए।

खबर संक्षेप

उठान की लचर व्यवस्था के कारण हाल-बेहाल

सोनीपत। जिले की अनाज मंडियों व खरीद केंद्रों पर गेहूं की आवक में तेजी के बावजूद उठान प्रक्रिया धीमी गति से चल रही है। यही कारण रहा कि उठान प्रक्रिया की लचर व्यवस्था के चलते रविवार को सोनीपत अनाज मंडी के अलावा अन्य मंडियों व खरीद केंद्रों पर खरीद का कार्य नहीं किया गया। पिछले एक दिन में केवल 15853 मीट्रिक टन गेहूं का ही उठान हो पाया। उधर मंडियों से खरीद के बाद अब तक केवल 20 प्रतिशत गेहूं का ही उठान हो पाया है। ऐसे में किसानों को उनकी बेची गई फसल का समय पर भुगतान नहीं हो पा रहा है। इससे किसान वर्ग भी परेशान है। मंडियों व खरीद केंद्रों पर गेहूं की उठान प्रक्रिया में तेजी लाने के उद्देश्य से सोमवार को उपायुक्त नेहा सिंह ने लघु सचिवालय में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। उपायुक्त ने बैठक में मौजूद कॉन्ट्रेक्टर्स से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कॉन्ट्रैक्टर्स को यह भी निर्देश दिए कि लिफ्टिंग प्रक्रिया में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वह व्यवस्था बनाने में उचित सहयोग करें।

एसडीएम ने उठान कार्य का लिया जायजा

गन्नौर। अनाज मंडी में गेहूं खरीद सीजन के दौरान व्यवस्थाओं का जायजा लेने के लिए सोमवार को एसडीएम ने मंडी का दौरा कर गेहूं उठान कार्य व भंडारण व्यवस्था को लेकर मंडी में तैनात अधिकारियों व कर्मचारियों से बातचीत कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने मंडी में चल रही खरीद प्रक्रिया, बारदाने की उपलब्धता और उठान कार्य की गति का बारीकी से अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों को किसी भी प्रकार की परेशानी न होने दी जाए और उनकी फसल का समय पर उठान सुनिश्चित किया जाए। मंडी में मौजूद आढ़तियों ने एसडीएम को बताया कि वेयरहाउस व हैफेड द्वारा गेहूं लिफ्टिंग का कार्य तेजी से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फिलहाल मंडी में किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं है। एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सरकार के दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन करें। बारदाने की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि किसानों को अपनी फसल बेचने में किसी प्रकार की दिक्कत न आए। एसडीएम ने साफ-सफाई, पेयजल व अन्य मूलभूत सुविधाओं का भी निरीक्षण किया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए।

एचटेट अनिवार्यता के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

गन्नौर। एचटेट अनिवार्यता के विरोध में हरियाणा विद्यालय अध्यापक संघ से जुड़े शिक्षकों ने गन्नौर विधायक देवेंद्र कादियान को मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। जिला सचिव दिनेश छिक्कारा ने बताया कि केंद्र व हरियाणा सरकार 1 सितंबर 2025 के फैसले पर चुप्पी साधे हुए हैं, जिसमें दिसंबर 2027 तक सभी कार्यरत अध्यापकों के लिए टेट पास करना अनिवार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि पहले से नियमित अध्यापकों पर यह शर्त थोपना पूरी तरह अनुचित है। उन्होंने जनप्रतिनिधियों से इस मुद्दे पर खुलकर बोलने की मांग की।

मां के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं होती हैं पूर्ण : जैन

सोनीपत। चांदनी धर्मार्थ सेवा समिति द्वारा तारा नगर में निर्मित मां वैष्णो देवी मंदिर का पहला वार्षिक उत्सव धूमधाम से मनाया गया, पूजा अनुष्ठान के बाद भंडारे का आयोजन किया गया। भजनों के माध्यम से मां का गुणगान किया गया। कार्यक्रम में नगर निगम के निवर्तमान मेयर राजीव जैन ने पहुंचकर माता वैष्णो देवी के दरबार में मात्था टेकने के बाद आरती की। समिति के पदाधिकारियों ने राजीव जैन का ढोल एवं पुष्प वर्षा करके स्वागत किया और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जैन ने कहा कि मां के दरबार में आने वाले श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और समिति धार्मिक आयोजनों के माध्यम से धर्म मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते रहते हैं। कार्यक्रम में सरपरस्त बाबा मोनी दास, माई गीता दास, बाबा सबतदास, समय लकड़ा, राजेश कौशिक, पंडित दीपक, पंडित बृजभूषण, पंडित गौरव, कांता, बाला, महेश, राजू सहित अन्य मौजूद रहे।

डीसीआरयूएसटी में अव्यवस्था को लेकर अनुबंधित शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

सोनीपत। दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मुरथल में लगातार बिगड़ते हालात और छात्रों के भविष्य को लेकर अनुबंधित आधार पर कार्य कर रहे सहायक प्रोफेसरों ने रोष व्यक्त करते हुए कुलपति को शिकायत पत्र सौंपा। शिक्षकों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन की लापरवाही के कारण संस्थान की साख प्रभावित हो रही है और इसका सीधा असर यहां पढ़ रहे हजारों छात्रों के भविष्य पर पड़ रहा है। शिकायत पत्र में बताया गया कि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार शैक्षणिक वर्ष में कम से कम 180 दिन पढ़ाई होना अनिवार्य है, जबकि यहां केवल 156 दिन ही पढ़ाई कराई जा रही है। परीक्षाओं के नाम पर कक्षाएं बंद कर दी जाती हैं, जिससे छात्रों का पाठ्यक्रम समय पर पूरा नहीं हो पा रहा है। डीकूटा प्रधान अजय कुमार ने बताया कि दीनबंधु छोटू राम विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय,मुरथल में अव्यवस्थाओं का दौर जारी है।

दो नाबालिग लड़कियों को अगवा करने वाला आरोपित गिरफ्तार, रिमांड पर लिया

सोनीपत। थाना कुंडली क्षेत्र में दो नाबालिग लड़कियों को अगवा करने की घटना में संलिप्त आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपित की पहचान जोगिंदर निवासी बागपत, उत्तर प्रदेश के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार 20 जनवरी 2026 को जिला फर्रुखाबाद, उत्तर प्रदेश हाल प्याऊ मनियारी, कुंडली निवासी एक व्यक्ति ने थाना कुंडली में शिकायत दी थी कि किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसकी दो नाबालिग लड़कियों को अगवा कर लिया है। इस संबंध में भारतीय न्याय संहिता तथा किशोर न्याय अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई थी। जांच के दौरान थाना कुंडली की टीम में नियुक्त उप निरीक्षक नवीन ने अपनी टीम के साथ कार्रवाई करते हुए दोनों नाबालिग लड़कियों को लुधियाना से सकुशल बरामद कर लिया। महिला उप निरीक्षक पूजा ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए न्यायालय के आदेशानुसार लड़कियों के मजिस्ट्रेट के समक्ष बयान दर्ज करवाए तथा महिला विशेषज्ञ और लीगल एड के माध्यम से उनकी काउंसलिंग करवाई। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित जोगिंदर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे एक दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया है।

सोनीपत। पुलिस गिरफ्त में आरोपित।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन : 9653530209, 9253681005, 9253681010

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2000/- रु. 2500/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
हरिभूमि कार्यालय, बीएसएनएल के सामने, पुल के साथ, सोनीपत
फोन 0130-4012310, 9253681028

हरिभूमि समाचार पत्र ने प्रमुखता से प्रकाशित की थी खबर

नगर निगम ने एक ही दिन में ले लिया संज्ञान युधिष्ठिर द्वार के साथ गायब स्मृतियां फिर लगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

मुरथल रोड पर बनाए गए युद्धिष्ठिर द्वार के साथ लगी पक्षियों स्मृतियां कई दिन से गायब होने का समाचार हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित होने के बाद नगर निगम एक ही दिन में हरकत में आया। निगम ने मामले में संज्ञान लेते हुए उखड़ी स्मृतियों को वापस लगवा दिया है। बता दें कि युद्धिष्ठिर द्वार के साथ लगी पक्षियों की स्मृतियां कई दिन पहले उखड़कर गिर चुकी थी। मामले को लेकर नगर निगम के अधिकारी व रखवाले काफी समय से अनजान बने रहे थे। सोमवार को समाचार प्रकाशित होने के बाद निगम ने उखड़ी पक्षियों की स्मृतियों को दोबारा लगवाया। गौरतलब है कि पांडव नगरी सोनीपत में महाभारतकालीन यादों को जीवंत रखने के लिए नगर निगम की ओर से मुख्य मार्गों पर 5 पांडवों के नाम में द्वार बनाने का निर्णय लिया गया है। इस कार्य पर कुल 4.55 करोड़ रुपये की राशि खर्च की जा रही है। इनमें युद्धिष्ठिर व सहदेव द्वार बनकर तैयार हो चुके हैं, जबकि तीन अन्य पांडवों के द्वार भी इसी वर्ष के अंदर बनाने का निर्णय लिया गया है।

युधिष्ठिर द्वार पर निगम की ओर से अक्तूबर 2025 में करीब 93.53 लाख रुपये की राशि खर्च की गई है। शहर की सुंदरता को चार चांद लगाने के लिए स्वागत द्वार पर लाइटिंग व्यवस्था के साथ सजावट के लिए वेस्ट मैटिरियल से स्मृतियां बनवाई गई हैं। द्वार के एक ओर मछलियां तो दूसरी ओर पक्षी की स्मृतियां बनी हैं। मुरथल रोड पर बनाए गए युधिष्ठिर द्वार के साथ कई दिन से करीब 3-4 पक्षियों की लगी स्मृतियां मात्र 5 माह में ही गायब हो चुकी थी, जबकि सोनीपत में प्रवेश के लिए मुरथल रोड मुख्य मार्ग होने के बावजूद प्रशासनिक अधिकारी व नगर निगम प्रबंधन इस मार्ग से आवागमन लगा रहता है। लोगों ने आरोप लगाया था कि अधिकारी शहर की सुंदरता के नाम पर आगे दौड़, पीछे छोड़ की नीति अपना रहे हैं। एक बार कार्य पूरा करने के बाद रखवाली व व्यवस्था के नाम पर औपचारिकताएं बरती जाती हैं।

सोनीपत। सोनीपत के मुरथल रोड पर युद्धिष्ठिर द्वार के साथ लगी पक्षियों की गायब स्मृतियां और नगर निगम की ओर से दोबारा लगवाई गई स्मृतियां। फोटो : हरिभूमि

बनवाया गया है वेस्ट मैटिरियल से

मुरथल रोड पर बनाए गए युधिष्ठिर द्वार के साथ उखड़ी पक्षियों की स्मृतियां दोबारा लगवा दी गई हैं। इन स्मृतियों को वेस्ट मैटिरियल से बनवाया गया है। स्मृतियों को किसने व किस उद्देश्य से गिराया, इसका पता नहीं चल पाया है। निगम ने शेष पांडवों के नाम से स्वागत द्वार का कार्य भी जल्द करने का निर्णय लिया जाएगा।
-अजय निराला, कार्यकारी अभियंता, नगर निगम

लेसन प्लान शिक्षण को प्रभावी और रोचक बनाने का सशक्त माध्यम

- शिवा शिक्षा सदन में लेसन प्लान कार्यशाला एवं 9 के छात्रों के लिए अभिमुखीकरण सत्र का आयोजन किया गया

सोनीपत। कार्यशाला के दौरान प्रधानाचार्या जानकारी देते हुए। फोटो : हरिभूमि

सोनीपत। शिवा शिक्षा सदन में शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ पर दो महत्वपूर्ण कार्यक्रमों "ट्रेन द ट्रेनर्स" के अंतर्गत इंटरएक्टिव लेसन प्लान कार्यशाला एवं कक्षा 9 के विद्यार्थियों के लिए अभिमुखीकरण सत्र का आयोजन किया गया। दोनों सत्रों का मार्गदर्शन प्रधानाचार्या पूजा बहल द्वारा किया गया, जिनके 30 वर्षों से अधिक के अनुभव ने कार्यक्रमों को ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी बना दिया। "ट्रेन द ट्रेनर्स" कार्यशाला में सभी शिक्षकों ने अत्यंत उत्साह और सक्रिय सहभागिता के साथ भाग लिया। विभिन्न गतिविधियों, समूह चर्चाओं और प्रस्तुतीकरणों के माध्यम से शिक्षकों ने आधुनिक एवं नवाचारी शिक्षण पद्धतियों को अपनाने की दिशा में अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित की। कार्यशाला में लेसन प्लान को केवल औपचारिक प्रक्रिया न मानकर, शिक्षण को प्रभावी, रोचक और परिणामोन्मुख बनाने का एक सशक्त माध्यम बताया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एवं एनसीएफ–एसई 2023 के अनुरूप शिक्षकों को निरंतर कौशल उन्नयन के लिए प्रेरित किया गया, ताकि वे विद्यार्थियों के लिए समावेशी एवं भविष्य उन्मुख शिक्षण वातावरण का निर्माण कर सकें। इसी क्रम में कक्षा 9 के विद्यार्थियों हेतु आयोजित अभिमुखीकरण सत्र में सीबीएसई द्वारा किए जा रहे नवीन शैक्षणिक परिवर्तनों की विस्तृत जानकारी दी गई। गणित एवं विज्ञान में दो-स्तरीय प्रणाली (स्टैंडर्ड एवं एडवांस्ड) के माध्यम से अवधारणात्मक समझ और उच्च-स्तरीय चिंतन कौशल को विकसित करने पर बल दिया गया। साथ ही, वैकल्पिक उन्नत मूल्यांकन की जानकारी देकर विद्यार्थियों को विषयों में गहराई से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया गया। दोनों ही सत्र अत्यंत संवादात्मक एवं प्रेरणादायी रहे। शिक्षकों ने जहां अपने कौशल को निखारा, वहीं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछकर अपनी जिज्ञासाओं का समाधान किया और सीखने की प्रक्रिया को और समृद्ध बनाया।